GK/GS का

महा संग्राम

ECONOMY

मांग और पूर्ति
(DEMAND & SUPPLY)

हमारे TOPIC EXPERT के साथ

देखें शाम 07:00 बजे

LIVE

BY GS GURU

मांग और आपूर्ति

(Demand & Supply)

Demand & Supply

" Supply creates its own demand"

-J. B. Say

Demand & Supply

"Demand creates its own Supply"

-Keynes

DEMAND

मांग

- Demand simply means a consumer's desire to buy goods and services without any hesitation and pay the price for it. In simple words, demand is the number of goods that the customers are ready and willing to buy at several prices during a given time frame. Preferences and choices are the basics of demand, and can be described in terms of the cost, benefits, profit, and other variables.
- मांग का सीधा सा मतलब है कि उपभोक्ता बिना किसी झिझक के सामान और सेवाएं खरीदने और उसके लिए कीमत चुकाने की इच्छा रखता है। सरल शब्दों में, मांग उन वस्तुओं की संख्या है जो ग्राहक एक निश्चित समय सीमा के दौरान कई कीमतों पर खरीदने के लिए तैयार और इच्छुक हैं। प्राथमिकताएं और विकल्प मांग की मूल बातें हैं, और उन्हें लागत, लाभ, लाभ और अन्य चर के संदर्भ में वर्णित किया जा सकता है।

Determinants of Demand
मांग के निर्धारक

- Price of the good/वस्तु की कीमत
- Taste or level of desire for the product by the buyer/खरीदार द्वारा उत्पाद के लिए स्वाद या इच्छा का स्तर
- The income of the buyer/खरीदार की आय
- Prices of related products:/संबंधित उत्पादों की कीमतें:
  - Substitute products (directly competes with the good in the opinion of the buyer; e.g. tea & coffee)/स्थानापन्न उत्पाद (खरीदार की राय में सीधे अच्छे से प्रतिस्पर्धा करता है; उदाहरण के लिए चाय और कॉफी)
  - Complementary products (used with the good in the opinion of the buyer; e.g. car & petrol)/पूरक उत्पाद (खरीदार की राय में अच्छे के साथ उपयोग किया जाता है; उदाहरण के लिए कार और पेट्रोल)

Changes That Decrease Demand

मांग को कम करने वाले परिवर्तन

- The decrease in the price of a substitute
- Increase in price of a complement
- The decrease in income if good is normal good
- Increase in income if good is inferior good

Demand Curve Shifting

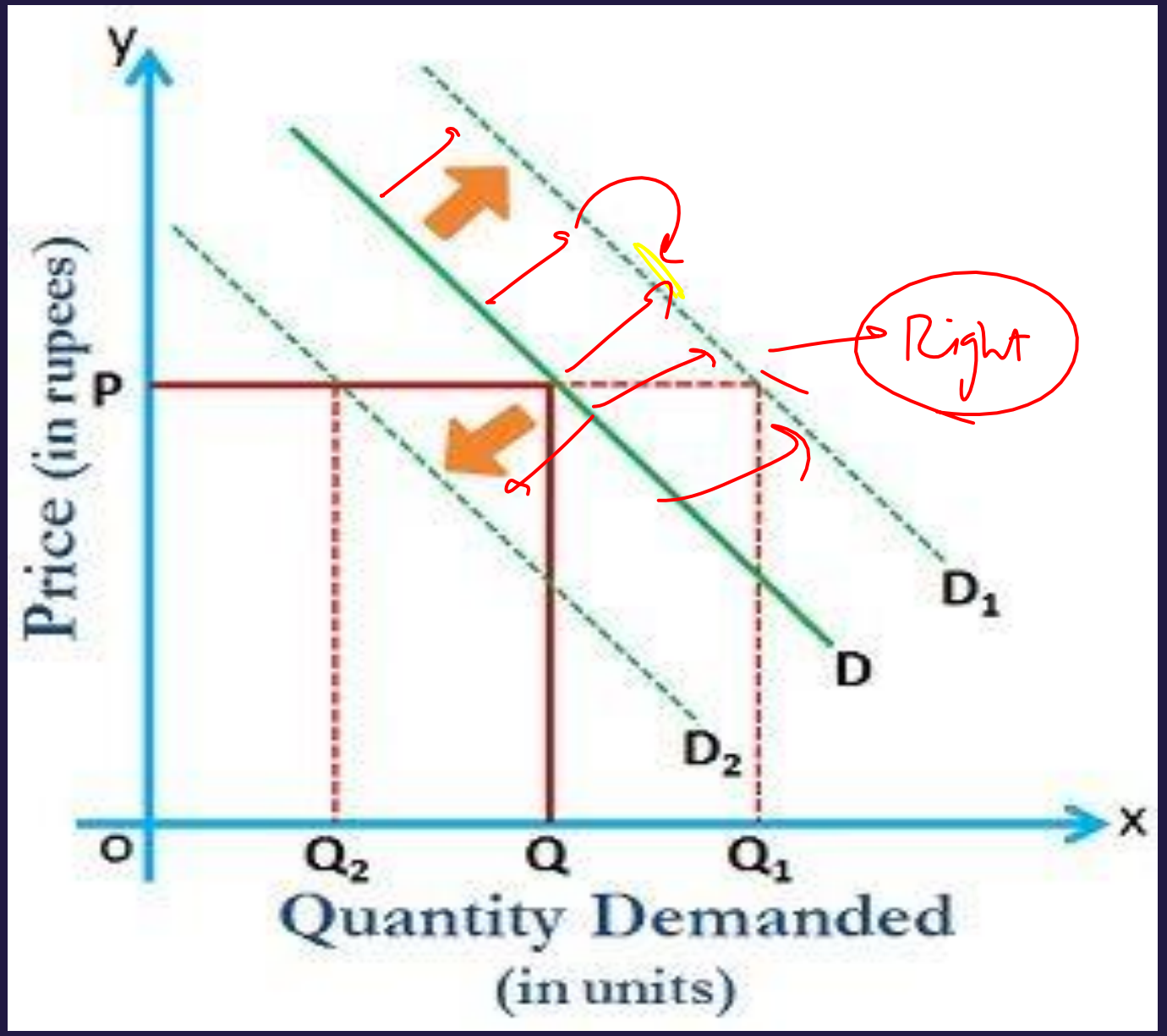

TYPES OF DEMANDS

- Price demand: It refers to various types of quantities of goods or services that a customer will buy at a quoted price and given time, considering the other things remain constant.
- Income demand: It refers to various types of quantities of goods or services that a customer will buy at different stages of income, considering the other things remain constant.
- मूल्य की मांग: यह विभिन्न प्रकार की वस्तुओं या सेवाओं को संदर्भित करता है जो एक ग्राहक उद्धृत मूल्य पर और निश्चित समय पर खरीदेगा, यह देखते हुए कि अन्य चीजें स्थिर रहती हैं।
- आय की मांग: यह विभिन्न प्रकार की वस्तुओं या सेवाओं को संदर्भित करता है जो एक ग्राहक आय के विभिन्न चरणों में खरीदेगा, यह देखते हुए कि अन्य चीजें स्थिर रहती हैं।

TYPES OF DEMANDS

- Cross demand: This means that the product's demand does not depend on its own cost but depends on the cost of the other related commodities.
- Direct demand: When goods or services satisfy an individual's wants directly, it is known as direct demand.
- क्रॉस माँग : इसका मतलब है कि उत्पाद की मांग उसकी अपनी लागत पर निर्भर नहीं करती है, बल्कि अन्य संबंधित वस्तुओं की लागत पर निर्भर करती है।
- प्रत्यक्ष माँग: जब वस्तुएँ या सेवाएँ किसी व्यक्ति की प्रत्यक्ष रूप से पूर्ति करती हैं, तो इसे प्रत्यक्ष माँग के रूप में जाना जाता है।

TYPES OF DEMANDS

- Derived demand or Indirect demand: The goods or services demanded or needed for manufacturing the goods and satisfying the consumer indirectly is known as derived demand.
- Joint demand: To produce a product there are many things that are related to each other, for example, to produce bread, we need services like an oven, fuel, flour mill, and more. So, the demand for other additional things to produce a product is known as joint demand.
- व्युत्पन्न मांग या अप्रत्यक्ष मांग: वस्तुओं के निर्माण और उपभोक्ता को अप्रत्यक्ष रूप से संतुष्ट करने के लिए आवश्यक वस्तुओं या सेवाओं को व्युत्पन्न मांग के रूप में जाना जाता है।
- संयुक्त मांग: एक उत्पाद का उत्पादन करने के लिए कई चीजें हैं जो एक दूसरे से संबंधित हैं, उदाहरण के लिए, रोटी का उत्पादन करने के लिए, हमें ओवन, ईंधन, आटा चक्की आदि जैसी सेवाओं की आवश्यकता होती है। अतः किसी उत्पाद के उत्पादन के लिए अन्य अतिरिक्त वस्तुओं की माँग को संयुक्त माँग कहते हैं।

TYPES OF DEMANDS

- Composite demand: A composite demand can be described when goods and services are utilised for more than one cause. Example: Coal
- समग्र मांग: समग्र मांग का वर्णन तब किया जा सकता है जब वस्तुओं और सेवाओं का एक से अधिक कारणों से उपयोग किया जाता है। उदाहरण: कोयला

TYPES OF DEMANDS

- Composite demand: A composite demand can be described when goods and services are utilised for more than one cause. Example: Coal
- समग्र मांग: समग्र मांग का वर्णन तब किया जा सकता है जब वस्तुओं और सेवाओं का एक से अधिक कारणों से उपयोग किया जाता है। उदाहरण: कोयला

Exception to Law of Demand

Conspicuous / Luxury Goods

- Higher the prices of the luxury / conspicuous goods – higher are demand. This is because such goods or services are acquired mainly for display of wealth and to attain a social status. Such goods are an exception to the law of demand.

विशिष्ट / विलासिता के सामान

- विलासिता / विशिष्ट वस्तुओं की कीमतें जितनी अधिक होंगी - मांग उतनी ही अधिक होगी। ऐसा इसलिए है क्योंकि ऐसी वस्तुओं या सेवाओं का अधिग्रहण मुख्य रूप से धन के प्रदर्शन और सामाजिक स्थिति प्राप्त करने के लिए किया जाता है। ऐसी वस्तुएँ माँग के नियम का अपवाद हैं।

Exception to Law of Demand

Giffen Goods:

Giffen Goods refer to those goods which are considered inferior compared to the substitutes. To be qualified as a Giffen good, a good must be inferior and must lack a close substitute and must constitute a substantial fraction of income of buyer.

गिफेन वस्तुएँ :

गिफेन वस्तुएँ उन वस्तुओं को संदर्भित करती हैं जिन्हें स्थानापन्न वस्तुओं की तुलना में घटिया माना जाता है। एक गिफिन वस्तु के रूप में अर्हता प्राप्त करने के लिए, एक वस्तु को घटिया होना चाहिए और एक करीबी स्थानापन्न का अभाव होना चाहिए और खरीदार की आय का एक बड़ा हिस्सा होना चाहिए।

Exception to Law of Demand

Examples of Giffen Good

For a person who has diet made of only bread and chicken would consume more bread if prices of bread increases because bread is more necessary than chicken and increase in price of bread would render chicken out of his reach. Thus, in this case, bread is a Giffen good. In some cases, Kerosene can behave like a Giffen good.

गिफेन गुड के उदाहरण

जिस व्यक्ति का आहार केवल ब्रेड और चिकन से बना है, यदि ब्रेड की कीमत बढ़ जाती है तो वह अधिक ब्रेड खाएगा क्योंकि ब्रेड चिकन की तुलना में अधिक आवश्यक है और ब्रेड की कीमत में वृद्धि चिकन को उसकी पहुंच से बाहर कर देगी। इस प्रकार, इस मामले में ब्रेड एक गिफिन वस्तु है। कुछ मामलों में, मिट्टी का तेल गिफेन गुड की तरह व्यवहार कर सकता है।

What is Supply?

- Supply in economics is defined as the total amount of a given product or service a supplier offers to consumers at a given period and a given price level.
- अर्थशास्त्र में आपूर्ति को किसी दिए गए उत्पाद या सेवा की कुल राशि के रूप में परिभाषित किया जाता है जो एक आपूर्तिकर्ता उपभोक्ताओं को एक निश्चित अवधि और एक दिए गए मूल्य स्तर पर प्रदान करता है।

Determinants of Supply

- Cost of production – if it increases, supply decreases.
- Taxes – If taxes increase, supply will reduce, and the supply curve will shift leftwards
- Goals of Firms – Profit is not always the only goal of the firm.
- उत्पादन लागत - यदि यह बढ़ती है तो आपूर्ति घट जाती है
- कर - यदि करों में वृद्धि होती है, तो आपूर्ति कम हो जाएगी
- फर्मों के लक्ष्य - लाभ हमेशा फर्म का एकमात्र लक्ष्य नहीं होता है

Supply Curve Shifting

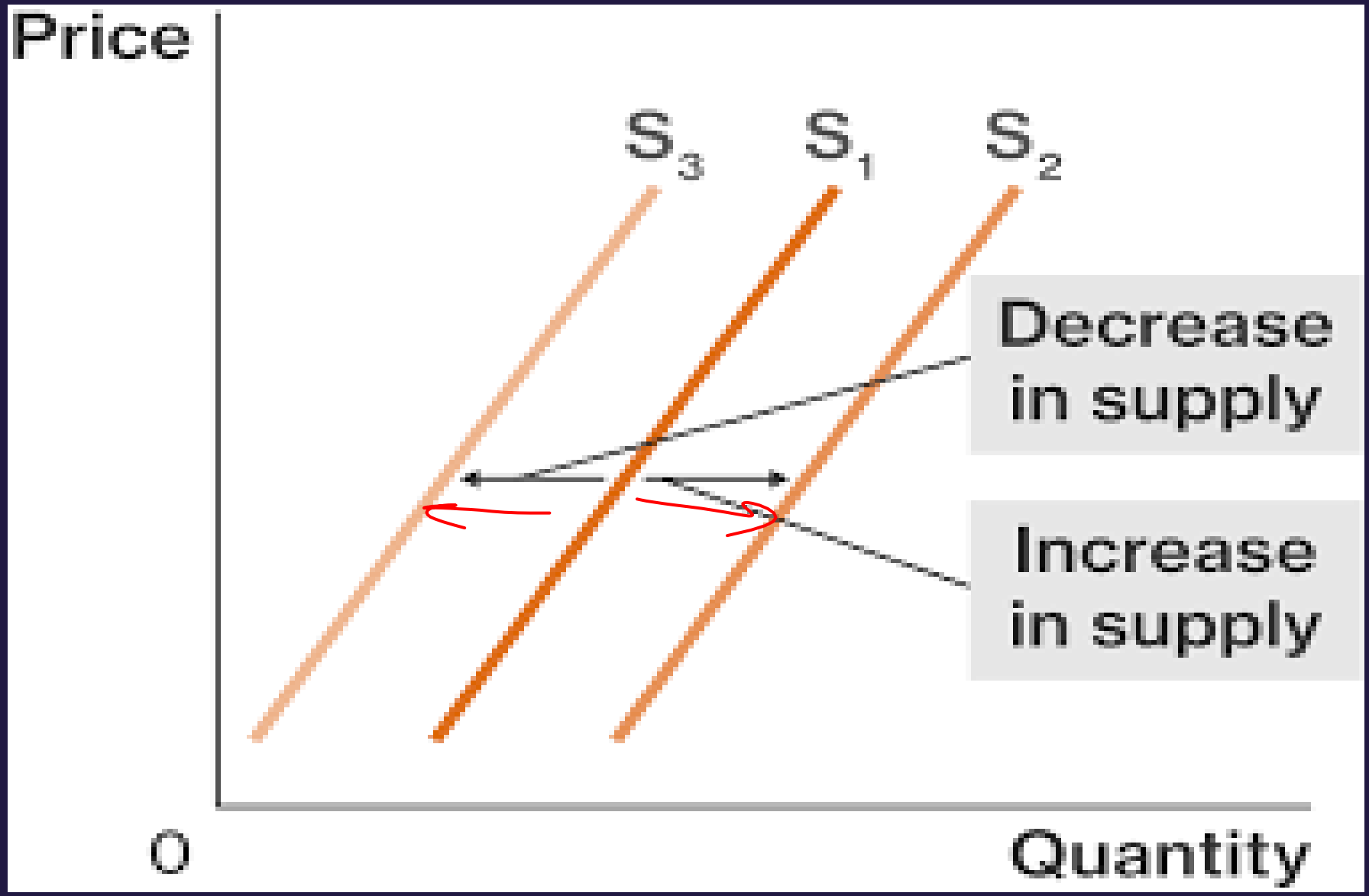

GS/GK का महासंग्राम

Q.1 Who said 'Supply creates its own demand'?

किसने कहा था 'पूर्ति अपनी माँग स्वयं उत्पन्न करती है' ?

a) Adam Smith/एडम स्मिथ

b) J b Say/जे बी से

c) Marshall/मार्शल

d) Ricardo/रिकार्डो

- 'Supply creates its own demand' was said by J B Say. According to him whatever is produced is sold in the economy. The economy works on full employment level and its a normal thing. There is no over or under production. Even if the economy is at less than full employment its temporary.
- जेबी से ने कहा था, 'आपूर्ति अपनी मांग खुद पैदा करती है। उनके अनुसार जो कुछ भी उत्पादित होता है वह अर्थव्यवस्था में बेचा जाता है। अर्थव्यवस्था पूर्ण रोजगार स्तर पर काम करती है और यह एक सामान्य बात है। कोई अधिक या कम उत्पादन नहीं है। भले ही अर्थव्यवस्था पूर्ण रोजगार से कम हो, यह अस्थायी है।

Q.2 Which of the following is an exception to the principle of demand?

निम्नलिखित में से मांग के सिद्धांत का अपवाद है?

C.P.O.S.I. 11 जून, 2016 (1-पाली)

(a) Public property/ सार्वजनिक संपत्ति

(b) Basic or essential property/ मूल या आवश्यक संपत्ति

(c) Club property /क्लब संपत्ति

(d) Common pool resource/साधारण पूल संसाधन

- There are some situations in which the law of demand is not effective, that is, the law of demand is not applicable in every situation. These situations are called exceptions to the law of demand. Under these circumstances, even if the price of the commodity increases, its demand does not decrease. Such things are as follows – Prestigious things, essential things, inferior things, intoxicating things etc.
- कुछ ऐसी भी परिस्थितियां होती हैं, जिनमें मांग का नियम प्रभावशील नहीं होता अर्थात प्रत्येक स्थिति में मांग का नियम लागू नहीं होता है। इन परिस्थितियों को मांग के नियम का अपवाद कहा जाता है। इन परिस्थितियों में यदि वस्तु की कीमत बढ़ती है, तो भी उसकी मांग कम नहीं होती है। ऐसी वस्तुएं निम्न हैं- प्रतिष्ठामूलक वस्तुएं, अनिवार्य वस्तुएं, निम्न कोटि की वस्तुएं, मादक वस्तुएं आदि।

Q.3 In economics, demand means _____.

अर्थशास्त्र में मांग का अर्थ_____होता है।

S.S.C. ऑनलाइन MTS (T-I) 30 अक्टूबर, 2017 (1- पाली)

(a) aggregate demand/सकल मांग

(b) individual demand/व्यक्तिगत मांग

(c) market demand/ बाजार मांग

(d) Demand dependent on purchasing power/
क्रय क्षमता पर निर्भर मांग

- There are some situations in which the law of demand is not effective, that is, the law of demand is not applicable in every situation. These situations are called exceptions to the law of demand. Under these circumstances, even if the price of the commodity increases, its demand does not decrease. Such things are as follows – Prestigious things, essential things, inferior things, intoxicating things etc.
- अर्थशास्त्र में मांग का अर्थ क्रय क्षमता पर निर्भर मांग होता है। मांग की अवधारणा से तात्पर्य " वस्तु की उस मात्रा से है, जिसे उपभोक्ता एक निश्चित समय व निश्चित कीमत पर क्रय करने हेतु तत्पर रहता है।" मांग हेतु आवश्यक तत्व हैं - निश्चित कीमत, निश्चित समय, आय तथा क्रय करने की क्षमता आदि। 'मांग का नियम' अर्थशास्त्र का महत्वपूर्ण नियम माना जाता है।

Q.4 According to the law of demand, if all other things remain the same, then what is the relation between the demand of a commodity and its price?

मांग के नियम के अनुसार, यदि अन्य सभी वस्तुएं समान रहें, तो किसी वस्तु की मांग तथा उसकी कीमत में क्या संबंध होता है ?

S.S.C. ऑनलाइन MTS (T-1) 21 अगस्त, 2019 (III - पाली)

(a) negative/ नकारात्मक

(b) no relation / कोई संबंध नहीं

(c) can be positive or negative /सकारात्मक या नकारात्मक हो सकता है

(d) positive/सकारात्मक

- According to the law of demand, all other things remaining the same, there is a negative (inverse) relationship between the demand for a commodity and its price.
- मांग के नियम के अनुसार, यदि अन्य सभी वस्तुएं समान रहें, तो किसी वस्तु की मांग तथा उसकी कीमत में नकारात्मक (व्युत्क्रम) संबंध होता है।

Q.5 Lorenz curve shows- लॉरेंज वक्र क्या दर्शाता है?

S.S.C. ऑनलाइन स्नातक स्तरीय (T-I) 10 सितंबर, 2016 (III-पाली)

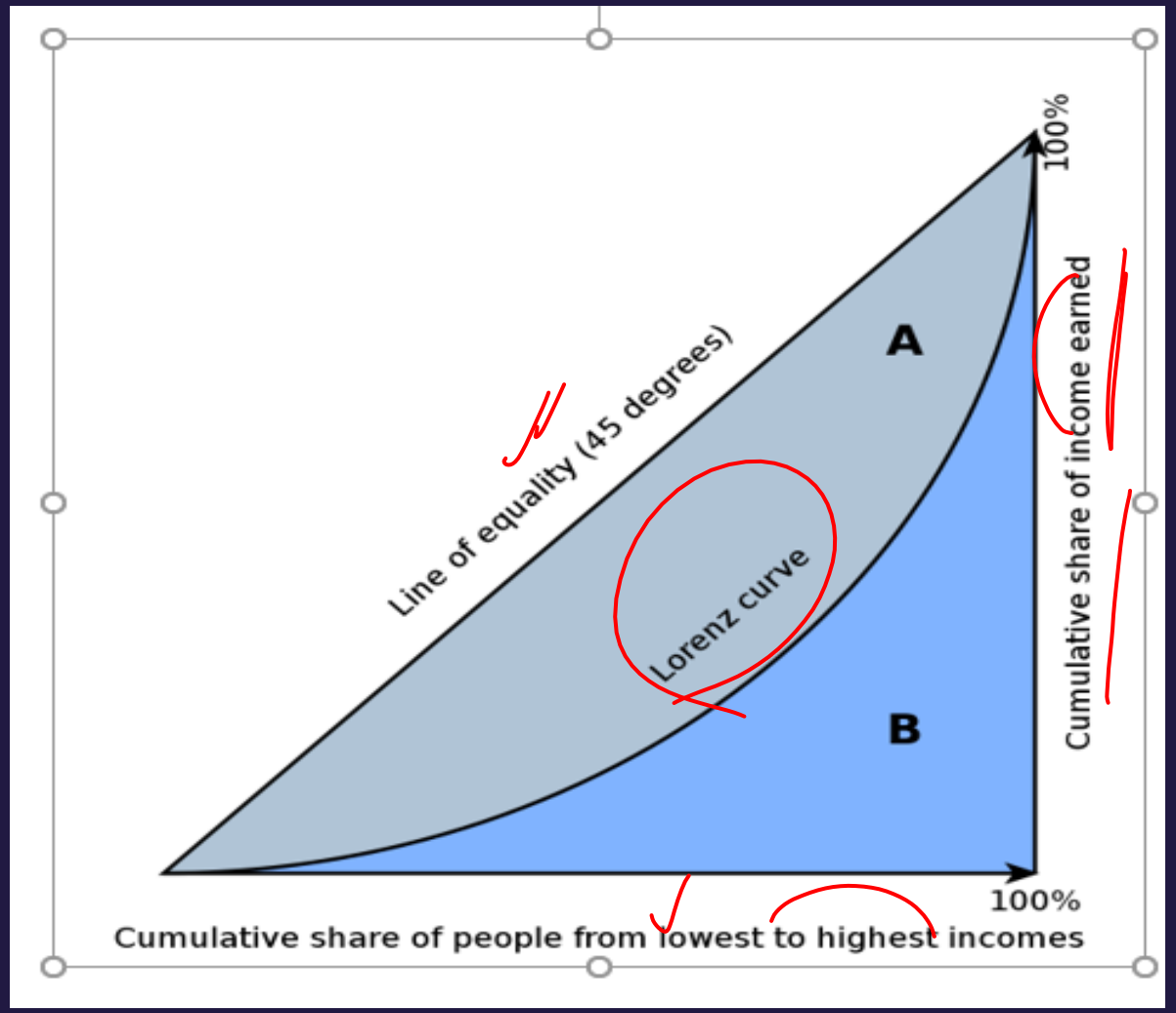

(a) Inflation/मुद्रास्फीति

(b) Unemployment/बेरोजगारी

(c) Income distribution/आय वितरण

(d) Poverty / गरीबी

- The Lorenz curve can be used to measure income, wealth, wages, profit, capital and To study the distribution of production etc. It was formulated by Dr. Max O' Lorenz, an economic statistician of America, to study the disparity of wealth and income. It is actually a point-linear measure of the deviation of the real distribution from the uniform distribution line.
- लॉरेंज वक्र का प्रयोग आय, धन, मजदूरी, लाभ, पूंजी तथा उत्पादन आदि के वितरण का अध्ययन करने के लिए किया जाता है। इसका प्रतिपादन अमेरिका के अर्थ सांख्यिकीकार डॉ. मैक्स ओ' लॉरेंज ने धन और आय की विषमता का अध्ययन करने के लिए किया था। यह वास्तव में समान वितरण रेखा से वास्तविक वितरण के विचलन का बिंदु-रेखीय माप है।

Q.6 What would happen to the demand curve when there is an increase in the price of substitute products?

जब स्थानापन्न उत्पादों की कीमत में वृद्धि होती है, तो मांग वक्र रेखा में क्या परिवर्तन होगा ?

S.S.C. ऑनलाइन स्नातक स्तरीय (T-1) 13 जून, 2019 (I- पाली)

(a) Outward shift / बाहर की ओर खिसकेगी

(b) Initially inward and then after a period outward shift / शुरू में अंदर की ओर तथा एक अवधि के बाद बाहर की ओर खिसकेगी

(c) Inward shift / अंदर की ओर खिसकेगी

(d) Remains constant/ स्थिर रहेगी

- When there is an increase in the price of substitute products, the demand curve will shift outwards.
- जब स्थानापन्न उत्पादों की कीमत में वृद्धि होती है, तो मांग वक्र रेखा बाहर की ओर खिसकेगी।

Q.7 What does supply-side economics lay more emphasis on?

आपूर्ति पक्ष का अर्थशास्त्र किस पर अधिक जोर देता है?

S.S.C. ऑनलाइन स्नातक स्तरीय (T-I) 30 सितंबर, 20 (I-पाली)

(a) Manufacturer/निर्माता

(b) global economy/ विश्व अर्थव्यवस्था

(c) consumer/उपभोक्ता

(d) middleman/ बिचौलिया

Q.8 The demand for a commodity or service which is a consequence of the demand for something else is called_____.

किसी वस्तु या सेवा की मांग जो किसी अन्य चीज की मांग का परिणाम है, उसे क्या कहा जाता है?

S.S.C. ऑनलाइन स्नातक स्तरीय (T-1) 11 जून, 2019 (I- पाली)

(a) Income Demand /आय की मांग

(b) Derived Demand / व्युत्पन्न मांग

(c) Composite Demand / मिश्रित मांग

(d) Direct Demand / प्रत्यक्ष मांग

- Demand for a good or service that is a result of demand for something else is called derived demand. Derived demand can be in relation to any item, such as building a house or producing goods, then demand for different items automatically arises to fulfill these tasks.
- किसी वस्तु या सेवा की मांग जो किसी अन्य चीज की मांग का परिणाम है, उसे व्युत्पन्न मांग कहा जाता है। व्युत्पन्न मांग किसी भी वस्तु के संबंध में हो सकती है, जैसे मकान बनाना हो या माल का उत्पादन करना हो, तो इन कार्यों को पूरा करने के लिए विभिन्न वस्तुओं की मांग स्वतः उत्पन्न हो जाती है।

Q.9 Which among the following is a characteristic of Laissez faire system?

निम्नलिखित में से कौन-सी लेसेज फेयर प्रणाली की एक विशेषता है ?

S.S.C. ऑनलाइन स्नातक स्तरीय (T-1) 11 जून, 2019 (I- पाली)

(a) No government intervention / सरकार का कोई हस्तक्षेप नहीं होता

(b) Market forces are highly regulated / बाजार के कारक अत्यधिक नियंत्रक होते हैं।

(c) It is a socialist system / यह एक समाजवादी प्रणाली है

(d) Maximum government intervention / सरकार का सर्वाधिक हस्तक्षेप होता है

- Capitalism is a social system based on the principle of individual rights. In the political perspective, this system talks about Laissez-faire, which is a French word. Here economic freedom means non-interference of the government in business activities.
- पूंजीवाद एक सामाजिक व्यवस्था है, जो व्यक्तिगत अधिकारों के सिद्धांत पर आधारित है। राजनीतिक परिप्रेक्ष्य में यह व्यवस्था लेसेज-फेयर (Laissez-faire अर्थात आर्थिक स्वतंत्रता) जो एक फ्रांसीसी शब्द है, की बात करती है। यहां आर्थिक स्वतंत्रता का अर्थ है व्यापारिक गतिविधियों में सरकार का हस्तक्षेप का न होना।

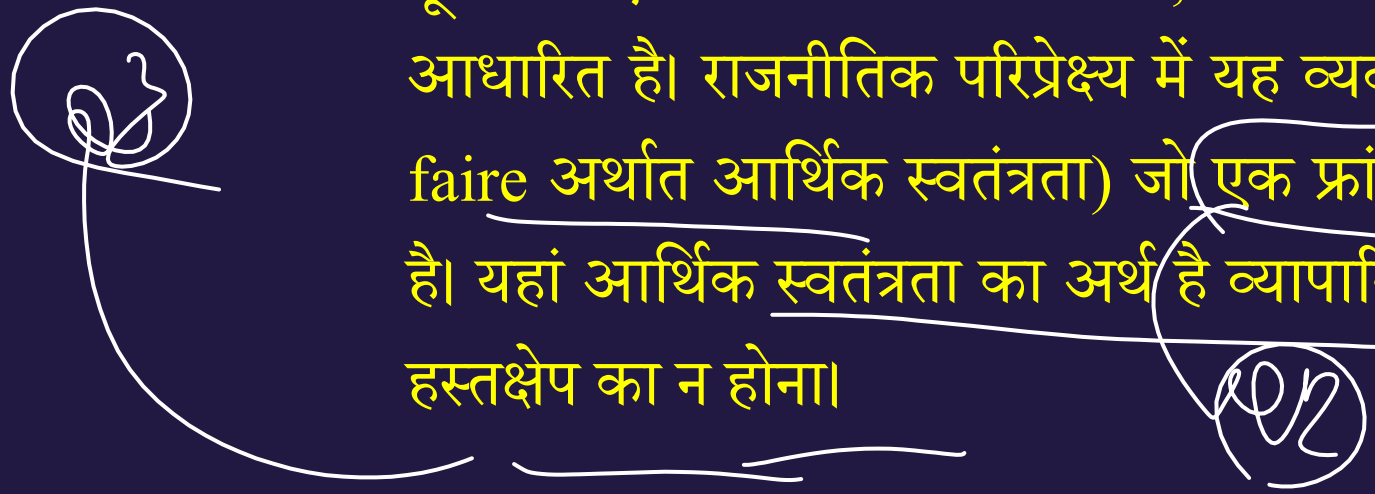

Q.10 Which economist gave the Theory of Opportunity Cost?

किस अर्थशास्त्री ने अवसर लागत का सिद्धांत दिया?

S.S.C. ऑनलाइन स्नातक स्तरीय (T-1) 11 जून, 2019 (1- पाली)

(a) Gottfried Haberler / गॉटफ्रीड हैबरलर

(b) Adam Smith/एडम स्मिथ फ्रीडमैन

(c) Milton Friedman / मिल्टन

(d) John Keynes /जॉन कीन्स

Q.11 Which among the following is a characteristic of Laissez faire system?

निम्नलिखित में से कौन-सी लेसेज फेयर प्रणाली की एक विशेषता है ?

S.S.C. ऑनलाइन स्नातक स्तरीय (T-1) 11 जून, 2019 (I- पाली)

(a) No government intervention / सरकार का कोई हस्तक्षेप नहीं होता

(b) Market forces are highly regulated / बाजार के कारक अत्यधिक नियंत्रक होते हैं।

(c) It is a socialist system / यह एक समाजवादी प्रणाली है

(d) Maximum government intervention / सरकार का सर्वाधिक हस्तक्षेप होता है

- Capitalism is a social system based on the principle of individual rights. In the political perspective, this system talks about Laissez-faire, which is a French word. Here economic freedom means non-interference of the government in business activities.
- पूंजीवाद एक सामाजिक व्यवस्था है, जो व्यक्तिगत अधिकारों के सिद्धांत पर आधारित है। राजनीतिक परिप्रेक्ष्य में यह व्यवस्था लेसेज-फेयर (Laissez-faire अर्थात आर्थिक स्वतंत्रता) जो एक फ्रांसीसी शब्द है, की बात करती है। यहां आर्थिक स्वतंत्रता का अर्थ है व्यापारिक गतिविधियों में सरकार का हस्तक्षेप का न होना।

Q.12 When the income of the consumer increases, what will be its effect on the small goods?

जब उपभोक्ता की आय बढ़ती है, तो छोटी वस्तुओं पर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा ?

C.P.O.S.I. 11 जून, 2016 (I- पाली)

(a) negative effect/नकारात्मक प्रभाव

(b) positive effect/सकारात्मक प्रभाव

(c) no effect/कोई प्रभाव नहीं

(d) first increases then decreases./ पहले बढ़ता है फिर घटता है।

- The goods which the consumer buys less with the increase in income are called 'inferior' goods. Income has a negative effect on inferior goods, that is, when the income of the consumer increases, he starts consuming good goods in place of inferior goods. This is called Giffen's Paradox.
- आय के बढ़ने पर उपभोक्ता जिन वस्तुओं को कम खरीदता है, उसे 'निकृष्ट' (Inferior) वस्तु कहा जाता है। निकृष्ट वस्तुओं पर आय का ऋणात्मक प्रभाव पड़ता है अर्थात उपभोक्ता की आय में वृद्धि होने पर वह निकृष्ट वस्तुओं के स्थान पर अच्छी वस्तुओं का उपभोग करने लगता है। इसे गिफेन का विरोधाभास (Giffen's Paradox) कहा जाता है।

Q.13 John Maynard Keynes, best known for his economic theories (Keynesian economics), hailed from which country?

जॉन मेनार्ड केनिस, जो अपने आर्थिक सिद्धांतों (केनिसियन अर्थशास्त्र) के लिए जाने जाते हैं, किस देश से थे?

S.S.C. ऑनलाइन स्नातक स्तरीय (T-1) 4 मार्च, 2020 (II - पाली)

(a) Sweden / स्वीडन

(b) Australia/ऑस्ट्रेलिया

(c) Denmark/डेनमार्क

(d) England/इंग्लैंड

- John Maynard Keynes was a famous economist from England, known for his economic theories (Keynesian economics). John Maynard Keynes's book titled 'The General Theory of Employment, Interest and Money' is an important book of economics.
- जॉन मेनार्ड केनिस इंग्लैंड के प्रसिद्ध अर्थशास्त्री थे, जो अपने आर्थिक सिद्धांतों (केनिसियन अर्थशास्त्र) के लिए जाने जाते हैं। जॉन मेनार्ड केनिस का 'रोजगार, ब्याज एवं मुद्रा का सामान्य सिद्धांत' नामक ग्रंथ अर्थशास्त्र की महत्त्वपूर्ण पुस्तक है।

Q.14 When the output is equal to zero, the variable cost is_________.

जब उत्पादन शून्य के बराबर होता है, तो परिवर्तनीय लागत होती है-

S.S.C. ऑनलाइन स्नातक स्तरीय (T-1) 11 जून, 2019 (II-पाली)

total cost

fixed cost

Variable Cost → 0

(a) constant/ स्थिर

(b) maximum / अधिकतम

(c) zero / शून्य

(d) minimum /न्यूनतम

- When output equals zero, variable cost is zero.
- जब उत्पादन शून्य के बराबर होता है, तो परिवर्तनीय लागत शून्य होती है।

Q.15 The rise of income in developing countries would lead the demand curve to shift:

विकासशील देशों में आय में वृद्धि से मांग वक्र में बदलाव होगा:

S.S.C. ऑनलाइन स्नातक स्तरीय (T-1) 11 जून, 2019 (II-पाली)

a) right

b) down

c) up

d) left

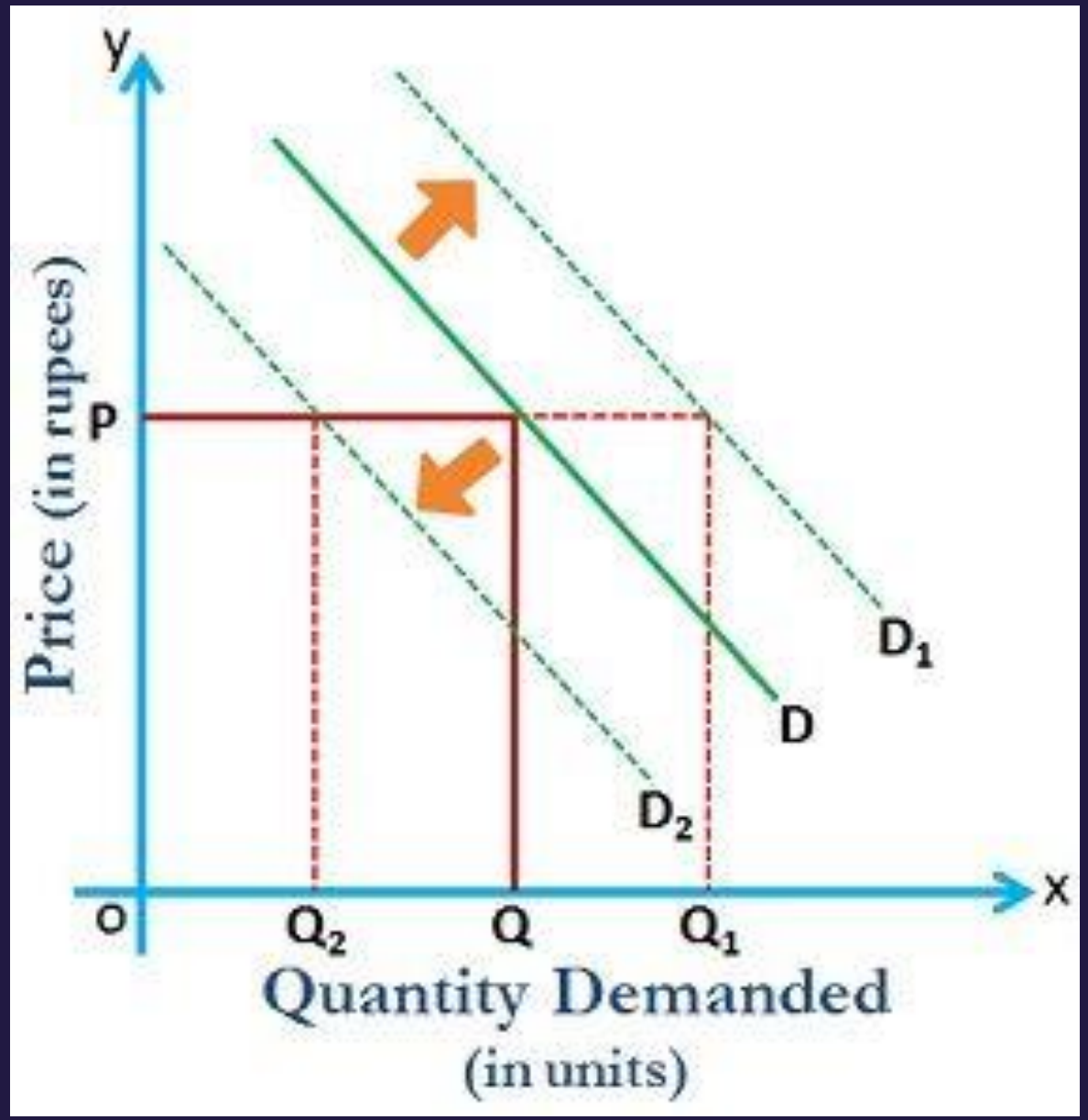

- In the case of a normal good, demand increases as the income grow.
- That is an increase in income shifts the demand curve to the right.
- एक सामान्य वस्तु के मामले में आय बढ़ने के साथ मांग बढ़ती है।
- अर्थात आय में वृद्धि माँग वक्र को दायीं ओर खिसकाती है।